MPPSC Paper 1 General Studies, Art and Architecture 01 001

MPPSC प्रारंबिक परीक्षा के पेपर एक, सामान्य अध्यान में कला और वास्तुकला से जुड़े विशे शामिल हैं, जिनमें मद्यप्रदेश के मंदिर वास्तुकला, जैसे खजुराहो स्मारक समूह और बोध्ध स्तूपों का उल्लेक है। एक मंदिर वास्तुकला मद्यप्रदेश के मंदिर वास्तुकला में सौंदर्य, आध्यात्मिक्ता और शिल्प कौशल का अद्भूत संगम देखने को मिलता है। खजुराहो स्मारक समूह स्थान, चतर्पुर जिला, मद्यप्रदेश निर्मान काल, नौवी से बारहवी शताब्दी, चंदेल वंश के शास्कों द्वारा युनिसको विश्व धरोहर स्थल, 1986 में मान्यता प्राप्त। मुख्य विशेष्टाएं नागर शेली की वास्तुक्ला, जिसमें शिखर, गुंबद, अंदर की ओर जुका हुआ होता है। कामुक मूर्तियां, कामा, प्रेम और मान्वीय भावनाओं का चित्रन, जो आध्यात्मिक और सांसारिक जीवन के बीच संतुलन का प्रतीक है। तीन प्रकार के मंदिर हिंदु मंदिर, शिव, विश्णु और देवी को समर्पित। जैन मंदिर, धार्मिक सहिष्णूता का प्रतीक। शैव और वैशनव मंदिर, हिंदु धर्म के दो प्रमुक संप्रदायों को दर्शाते हैं। प्रसिद्ध मंदिर कंद्रिया महादेव मंदिर, भगवान शिव को समर्पित, 84 शिखरों और जटिल नकाशी के लिए प्रसिद्ध। लक्षमन मंदिर, भगवान विश्णू को समर्पित, सुंदर मूर्तियों और कलाकृतियों से सुसज्जित। चित्रगुप्त मंदिर, सूर्य देवता को समर्पित, विष्ट्रित नकाशी से अलंक्रित। संस्कृतिक महत्व। खजुराहों के मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बलकि मद्यकालीन भारतिय कला के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ये समाज की परंपराओं, आध्यात्मिक्ता और कला कोशल की गहरी जहलक प्रदान करते हैं। दो बौध्ध स्थूप, बुधिस्ट स्थूपास। मध्यप्रदेश की बौध्ध वास्तुक्ला प्राचीन काल में बौध्ध धर्म के प्रसार और भारतिय कला पर इसके प्रभाव को दर्शाती है। सांची स्थूप स्थान, सांची, रायसेंजिला, मध्यप्रदेश निर्माता, मौर्य सम्राथ अशोक द्वारा तीसरी शताबधी ईसा पूर्व में निर्मित। युनिसको विश्व धरोहर स्थल, 1989 में माननेता प्राप्त। मुख्य विशेष्टाय मुख्य स्थूप एक विशाल अर्धगोला कार्गुमबद, जो ब्रह्मान्ड या पर्वत का प्रतीक है। इसमें बुद्ध या बौद्ध भिक्षूं के अवशेष रखे गए हैं। चार तोरन द्वार तोरनास, जटिल नकाशीदार द्वार, जो बुद्ध के जीवन और जातक कथाओं के द्रिशे प्रदर्शित करते हैं। इसका डिजाइन बुद्ध आदशों जैसे ध्यान और शांती को दर्शाता है। तोरनों की विशेष्टाएं पूर्वी तोरन, बुद्ध के ज्यान प्राप्ती और धर्मचक्र प्रवर्तन का प्रतीक। पश्चमी तोरन, बुद्ध के चमतकार और बौध धर्म के प्रसार का चित्रन। उत्री तोरन, बुद्ध के जन्म का प्रतीक। दक्षनी तोरन, बुद्ध के ज्यान और अंतिम निर्वान का चित्रन। एतिहासिक और संस्कृतिक महत्व सांची भारत के सबसे प्राचीन बौध स्मार्कों में से एक है। यह बौध कला और शिक्षाओं को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस स्थल का डिजाइन प्रतीकातमक और ध्यानमगन स्वरूप को प्रकट करता है। मद्यप्रदेश के मंदिर और स्थूप तुलना। पहलू मंदिर वास्तुकला, खजुराहो, बौध वास्तुकला। उद्देश पूजास्थल और देवताओं का प्रतिबिम्ब। बुद्ध और उनके धर्म की प्रतीकातमक प्रस्तुति। शैली नागर शैली, अलंकरित मूर्तिया। सरलता के साथ प्रतीकातमक और ध्यान केंडरित डिजाइन। धार्मिक संबदता, हिंदु धर्म और जैन धर्म। बौध धर्म। संस्कृतिक संदर्ब, आध्यात्मिक्ता और संसारिक्ता का संतुलन। सरलता, ध्यान और शांती पर केंडरित।

निर्मान काल नौवी से बारहवी शताबदी चंदेल वाण्श। तीसरी शताबदी इसा पूर्व, मौर्य सामराज्य।

सारांश (Summary)

1. मध्यप्रदेश में मंदिर वास्तुकला और बौद्ध स्तूपों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

मध्यप्रदेश की स्थापत्य कला, विशेष रूप से **मंदिरों और बौद्ध स्तूपों**, भारतीय कला और धर्म के विकास का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यह क्षेत्र **धार्मिक, सांस्कृतिक और शिल्प कौशल** के अद्वितीय समन्वय को प्रदर्शित करता है।

मंदिर वास्तुकला (Temple Architecture)

खजुराहो स्मारक समूह:

- **स्थान:** छतरपुर जिला, मध्यप्रदेश।
- **निर्माण काल: 9 वीं से 12 वीं शताब्दी**, चंदेल वंश के शासकों द्वारा।
- **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (1986 में मान्यता प्राप्त)।**
- **मुख्य विशेषताएँ:**
    - **नागर शैली की वास्तुकला**, जिसमें शिखर व गुंबद अंदर की ओर झुके होते हैं।
    - **अलंकृत मूर्तिकला**, जो काम, प्रेम और मानवीय भावनाओं को दर्शाती है।
    - **तीन प्रमुख प्रकार के मंदिर:**
        - **हिंदू मंदिर:** शिव, विष्णु और देवी को समर्पित।
        - **जैन मंदिर:** धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक।
        - **शैव और वैष्णव मंदिर:** हिंदू धर्म के विभिन्न संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

प्रसिद्ध मंदिर:

- **कंदारिया महादेव मंदिर:** भगवान शिव को समर्पित, 84 शिखरों और जटिल नक्काशी के लिए प्रसिद्ध।
- **लक्ष्मण मंदिर:** भगवान विष्णु को समर्पित, मूर्तियों और शिल्प की उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध।
- **चित्रगुप्त मंदिर:** सूर्य देवता को समर्पित, विस्तृत नक्काशी और भव्य संरचना।

संस्कृतिक महत्व:

- खजुराहो के मंदिर केवल पूजा स्थलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि **मध्यकालीन भारतीय कला के उत्कृष्ट उदाहरण** भी हैं।
- यह **धर्म, समाज और कला के समन्वय** को प्रदर्शित करता है।

बौद्ध वास्तुकला (Buddhist Architecture)

सांची स्तूप:

- **स्थान:** सांची, रायसेन जिला, मध्यप्रदेश।
- **निर्माता: सम्राट अशोक (मौर्य साम्राज्य), तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व।**
- **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (1989 में मान्यता प्राप्त)।**
- **मुख्य विशेषताएँ:**
    - **मुख्य स्तूप:** अर्धगोलाकार गुंबद, जो ब्रह्मांड या पर्वत का प्रतीक है।
    - **चार अलंकृत तोरण द्वार:**
        - **पूर्वी तोरण:** बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति और धर्मचक्र प्रवर्तन का प्रतीक।
        - **पश्चिमी तोरण:** बुद्ध के चमत्कार और बौद्ध धर्म के प्रसार का चित्रण।
        - **उत्तरी तोरण:** बुद्ध के जन्म का प्रतीक।
        - **दक्षिणी तोरण:** बुद्ध के निर्वाण का प्रतिनिधित्व करता है।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व:

- सांची **भारत के सबसे प्राचीन बौद्ध स्मारकों में से एक** है।
- इसका स्थापत्य बौद्ध धर्म की **ध्यान और शांति आधारित विचारधारा** को दर्शाता है।
- तोरण द्वारों पर **जातक कथाओं और बुद्ध के जीवन के प्रसंगों** की उत्कृष्ट नक्काशी उपलब्ध है।

मध्यप्रदेश के मंदिरों और स्तूपों की तुलना

1. उद्देश्य:

- मंदिर वास्तुकला का **मुख्य उद्देश्य देवताओं की पूजा और धार्मिक अनुष्ठान** के लिए था।
- बौद्ध स्तूप **बुद्ध और उनके धर्म के प्रतीकात्मक प्रस्तुतीकरण** का कार्य करते थे।

2. वास्तुशैली:

- मंदिरों में **नागर शैली** का प्रयोग हुआ, जिसमें **अलंकृत मूर्तियाँ** प्रमुख थीं।
- स्तूपों में **सरल, प्रतीकात्मक और ध्यान केंद्रित डिजाइन** देखा जाता है।

3. धार्मिक संबद्धता:

- मंदिर वास्तुकला मुख्य रूप से **हिंदू और जैन धर्म** से संबंधित है।
- बौद्ध स्तूप **बौद्ध धर्म के प्रचार और संरक्षण** से जुड़े हुए हैं।

4. सांस्कृतिक संदर्भ:

- मंदिर वास्तुकला **आध्यात्मिकता और सांसारिकता के संतुलन** को दर्शाती है।
- बौद्ध वास्तुकला **सरलता, ध्यान और शांति** पर केंद्रित है।

5. निर्माण काल:

- खजुराहो के मंदिर **9 वीं से 12 वीं शताब्दी** के दौरान चंदेल वंश द्वारा निर्मित हुए।
- सांची स्तूप **तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व** में मौर्य साम्राज्य के अधीन विकसित हुआ।

प्रश्नमंजूषा (Quiz)

1. खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण किस वंश के शासकों द्वारा किया गया था?
☑ **चंदेल वंश**
✕ गुप्त वंश
✕ परमार वंश
✕ मौर्य वंश

2. सांची के बौद्ध स्तूप का निर्माण किस शासक ने करवाया था?
☑ **सम्राट अशोक**
✕ चंद्रगुप्त मौर्य
✕ विक्रमादित्य
✕ समुद्रगुप्त

3. नागर शैली की प्रमुख विशेषता क्या है?
☑ **शिखर और गुंबद का अंदर की ओर झुका होना**
✕ विस्तृत आयताकार संरचना
✕ साधारण आकार और कम अलंकरण
✕ शिल्पहीन वास्तुशैली

4. सांची स्तूप का पूर्वी तोरण किसका प्रतीक है?

☑ **बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति और धर्मचक्र प्रवर्तन का**

✕ बुद्ध के चमत्कारों का

✕ बुद्ध के जन्म का

✕ बुद्ध के निर्वाण का